RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति
लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 270
दि. 01.02.2026, रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर पियूष गोयल बोले-'जल्द आ सकती है गुड न्यूज'

(जीएनएस)।

केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए दोनों देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि इस अहम समझौते को लेकर आने वाले कुछ दिनों में अच्छी खबर मिल सकती है।

पीटीआई को दिए एक खास इंटरव्यू में गोयल ने कहा कि हर मुक्त व्यापार समझौता अपने आप में अहम होता है और भारत-अमेरिका के बीच बातचीत काफी सकारात्मक माहौल में चल रही है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में उनके समकक्ष के साथ उनका कामकाजी रिश्ता भी शानदार है और व्यक्तिगत तौर पर भी अच्छी दोस्ती है।

मोदी-ट्रंप की दोस्ती का भी जिक्र

गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच गहरी दोस्ती किसी से छिपी नहीं है। उनके मुताबिक, इसी वजह से उन्हें पूरा भरोसा है कि निकट भविष्य में इस ट्रेड डील पर सकारात्मक घोषणा हो सकती है।

"ट्रेड डील पर कभी डेडलाइन नहीं होती"

मंत्री ने एक बार फिर साफ किया कि व्यापार समझौतों पर कभी किसी तय समय-सीमा में बातचीत नहीं की जाती।

उनका कहना था कि यह समझौता सही समय पर और दोनों देशों के व्यापक हितों को ध्यान में रखकर ही पूरा किया जाएगा।

लंबे समय से चल रही है भारत-अमेरिका बातचीत

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता काफी समय से जारी है।

पिछले साल दिसंबर में अमेरिकी उप व्यापार प्रतिनिधि राजदूत रिक स्विट्जर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली आया था। यह यात्रा उस समय हुई थी जब ट्रंप प्रशासन ने व्यापार असंतुलन और भारत द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद

को लेकर 50% टैरिफ लगाया था।

यूरोपीय संघ के साथ समझौते की भी तारीफ

पीयूष गोयल ने यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ होने वाले मुक्त व्यापार समझौते को भी "सभी सौदों की जननी" बताया।

उन्होंने कहा कि भारत का ईयू के साथ पहले से ही वस्तुओं और सेवाओं में व्यापार अधिशेष है और उम्मीद है कि अगले पांच साल में भारत का निर्यात दोगुना हो सकता है।

"न सख्त, न नरम - एक दयालु समझौता"

गोयल ने इस समझौते को दिलचस्प अंदाज में समझाते हुए कहा कि यह न तो बहुत सख्त होगा और न ही बहुत नरम। उनके शब्दों में, यह एक "दयालु और स्नेही जननी" होगी, जो यह सुनिश्चित करेगी कि यूरोप के 27 देश और भारत - सभी 28 साझेदार - इस समझौते का फायदा उठाएं।

एमएसएमई के लिए यूरोप में बड़े मौके

मंत्री ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (टरटए) से अपील की कि वे यूरोप जैसे बड़े और उच्च आय वाले बाजारों की ओर देखें। सरकार ने एमएसएमई की परिभाषा में बदलाव किया है ताकि कारोबारी सिर्फ छोटे बने रहने को मजबूर न हों, बल्कि आगे बढ़ें और वैश्विक बाजारों में कदम रखें।

सरकार का एमएसएमई पर लगातार फोकस

गोयल ने कहा कि सरकार लगातार कई योजनाओं के जरिए एमएसएमई को सपोर्ट कर रही है।

उन्होंने याद दिलाया कि मुद्रा ऋण योजना का मकसद भी एमएसएमई को औपचारिक व्यवस्था से जोड़ना था।

इसके अलावा पीएम स्वनिधि योजना के जरिए रेहड़ी-पटरी वालों को भी इस दायरे में लाया गया है।

उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने लाल किले के लॉन में आयोजित भारत पर्व 2026 के समापन समारोह में भाग लिया

(जीएनएस)।

उपराष्ट्रपति, श्री सी. पी. राधाकृष्णन ने आज नई दिल्ली में लाल किले के लॉन में भारत पर्व 2026 के समापन समारोह में हिस्सा लिया। पर्यटन मंत्रालय द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह के हिस्से के रूप में आयोजित यह छह दिवसीय उत्सव, भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, कलात्मक परंपराओं और पर्यटन क्षमता को प्रदर्शित करता है।

सभा को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत पर्व सिर्फ. एक उत्सव से कहीं अधिक है और उन्होंने इसे एक उत्साहपूर्ण अनुभव बताया जो भारत की शाश्वत भावना को जीवंत करता है। उन्होंने कहा कि यह उत्सव 77वें गणतंत्र दिवस की भावना को आगे बढ़ाता है और राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों की भागीदारी के माध्यम से राष्ट्र की आत्मा को दशार्ता है।

गणतंत्र दिवस परेड का ज़िक्र करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह भारत की विविधता में एकता, शक्ति में अनुशासन और उद्देश्य के साथ प्रगति का एक शक्तिशाली प्रतिबिंब है। उन्होंने विभिन्न राज्यों और मंत्रालयों द्वारा प्रस्तुत झांकियों की भी सराहना की, जो उनके अनुसार, एक आत्मविश्वासी, रचनात्मक और प्रगतिशील भारत की कहानी को खूबसूरती से बयां करती हैं, जो विकसित भारत @ 2047 के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि यह साल 'वंदे मातरम' के 150 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय महत्व रखता है, और कहा कि इस सदाबहार गीत ने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान आजादी और एकता की भावना जगाई और यह आज भी मातृभूमि के प्रति सम्मान की भावना जगाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की कल्पना पर जोर देते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि भारत पर्व देश भर की परंपराओं, शिल्पों, व्यंजनों और कलात्मक अभिव्यक्तियों को एक मंच पर लाकर एक भारत श्रेष्ठ भारत की

भावना को दशार्ता है। उन्होंने काशी तमिल संगमम जैसी पहलों का भी ज़िक्र किया, जो भारत के स्थायी सांस्कृतिक बंधनों और सभ्यतागत एकता के जीवंत उदाहरण हैं।

अमृत काल के दौरान भारत में हो रहे बदलावों के बारे में बात करते हुए, उपराष्ट्रपति ने कहा कि बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन, सामाजिक सुरक्षा, महिला-नेतृत्व वाला विकास और युवा नवाचार देश की नींव को नया आकार दे रहे हैं। उन्होंने बताया कि घरेलू पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि, जिसमें 2025 में 400 करोड़ से ज्यादा घरेलू पर्यटक यात्राएँ होंगी, भारत को जानने के लिए नए राष्ट्रीय आत्मविश्वास और उत्साह को दशार्ती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि कनेक्टिविटी और पर्यटन बुनियादी ढांचे में लगातार निवेश - बेहतर रोड नेटवर्क, वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों सहित बढ़ी हुई रेल कनेक्टिविटी, नए एयरपोर्ट और हेरिटेज और तीर्थ स्थलों पर बेहतर सुविधाओं के जरिए - संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित कर रहा है, खासकर पहले से कम जुड़े हुए इलाकों जैसे कि पूर्वोत्तर क्षेत्र में।

उन्होंने भारत पर्व को अपने मुख्य सालाना कार्यक्रम के तौर पर सफलतापूर्वक आयोजित करने और एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने के लिए पर्यटन मंत्रालय को बधाई दी, जहाँ संस्कृति, टूरिज्म और राष्ट्रीय गौरव एक साथ मिलते हैं। उन्होंने कलाकारों, कारीगरों, परफॉर्मर्स, वॉलंटियर्स और आयोजकों की भी सराहना की, जिन्होंने इस उत्सव को समावेशी, सुरक्षित और यादगार बनाने में अपना पूरा योगदान दिया।

अपने भाषण के आखिर में, उपराष्ट्रपति ने नागरिकों से भारत को एक साथ मिलकर खोजने, मनाने और बनाने का आ'ान किया, और विश्वास जताया कि भारत पर्व भारत के लोगों, क्षेत्रों और संस्कृतियों के बीच संबंधों को मजबूत करता रहेगा।

रविदास जयंती: पीएम मोदी आज डेरा सचखंड बल्लां में नवाएंगे शीश, हलवारा हवाई अड्डे के टर्मिनल का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली (जीएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को संत रविदार की 646वीं जयंती पर पंजाब के जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां जाएंगे और कई कार्यक्रमों में भाग लेंगे। वह आदमपुर हवाई अड्डे का नाम संत रविदास के नाम पर रखेंगे। इसके अलावा हलवारा हवाई अड्डे के सिविल टर्मिनल का उद्घाटन करेंगे।

पीएम ने कहा, संत गुरु रविदास की जयंती के शुभ अवसर पर आदमपुर हवाईअड्डे का नामकरण पूजनीय संत और समाज सुधारक को श्रद्धांजलि है। जिनकी समानता, करुणा और मानवीय गरिमा की शिक्षाएं भारत के सामाजिक मूल्यों को प्रेरित करती रहती हैं। पंजाब में विमानन अवसंरचना को और आगे बढ़ाते हुए हलवारा हवाई अड्डे का नया टर्मिनल भी जनता को समर्पित करेंगे। टर्मिनल भवन राज्य के लिए एक नया प्रवेश द्वार स्थापित करेगा, जो लुधियाना और उसके आसपास के औद्योगिक एवं कृषि क्षेत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करेगा। लुधियाना में पहले हवाई अड्डे का रनवे अपेक्षाकृत छोटा था,

जो छोटे आकार के विमानों के लिए उपयुक्त था। कनेक्टिविटी में सुधार और बड़े विमानों को समायोजित करने के लिए, नया सिविल एन्क्लेव विकसित किया गया है।

टर्मिनल में कई हरित व ऊर्जा दक्ष सुविधाएं शामिल पीएमओ के मुताबिक प्रधानमंत्री के सतत और पर्यावरण के प्रति उत्तरदायी विकास के दृष्टिकोण के अनुरूप, टर्मिनल में कई हरित और ऊर्जा-दक्ष सुविधाएं शामिल हैं। इनमें एलईडी प्रकाश व्यवस्था, इन्सुलेटेड छत, वर्षा जल संचयन प्रणाली, सीवेज और जल शोधन संयंत्र तथा भूदृश्य निर्माण के लिए पुनर्चक्रित जल का उपयोग शामिल है।इसका स्थापत्य डिजाइन पंजाब की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ता है, जो यात्रियों को एक विशिष्ट और क्षेत्रीय रूप से प्रेरित यात्रा अनुभव प्रदान करती है।

डेरे में श्रद्धालुओं को करेंगे संबोधित

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जालंधर स्थित डेरा सचखंड बल्लां में संत गुरु रविदास जी के सम्मान में आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में भाग लेंगे। शाम 4:30 बजे मंदिर में दर्शन करेंगे और संत गुरु रविदास जी के चित्र व डेरा सचखंड बल्लां के दूसरे गद्दीनशीन संत सरवन दास जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। इसके बाद वे अरदास करेंगे और परिक्रमा करेंगे। पीएम मोदी शाम 5:00 बजे श्रद्धालुओं को संबोधित भी करेंगे।

योगी सरकार ने यूपी में फिरोजाबाद और हरदोई जिले के इन गांवों के बदल दिए नाम

(जीएनएस)।

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 2017 में यूपी में बीजेपी की सरकार बनने के बाद से जिलों और महत्वपूर्ण जगहों के नाम बदलने का सिलसिला जारी है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के दो जिलों झ फिरोजाबाद और हरदोई के दो गांवों के नाम बदलने का फैसला लिया है। इनमें फिरोजाबाद के गांव- उरमुरा किरार और हरदोई के गांव- हाजीपुर का नाम बदला गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि उरमुरा किरार का नाम हरिनगर और हाजीपुर का नाम सियारामपुर करने का फैसला किया गया है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने आधिकारिक हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद फिरोजाबाद की तहसील व विकासखण्ड शिकोहाबाद स्थित ग्राम

पंचायत वासुदेवमई अन्तर्गत ग्राम 'उरमुरा किरार' का नाम परिवर्तित कर 'हरिनगर' करने का निर्णय लिया है।'

मुख्यमंत्री कार्यालय ने एक अन्य पोस्ट में कहा, 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने जनपद हरदोई के अंतर्गत विकास खण्ड भरावन की ग्राम पंचायत 'हाजीपुर' का नाम परिवर्तित कर 'सियारामपुर' करने का निर्णय लिया है।'

गौरतलब है कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वर्ष 2017 में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद से जिलों और महत्वपूर्ण जगहों के नाम बदलने का सिलसिला जारी है। जैसे इलाहाबाद जिले का नाम बदलकर प्रयागराज और फैजाबाद जिले का नाम बदल कर अयोध्या कर दिया गया। इसी तरह और भी कई नाम बदले गए हैं।

केंद्र सरकार की मंजूरी के बाद मुगलसराय शहर और उसके रेलवे जंक्शन का नाम बदलकर क्रमशः पंडित दीन दयाल उपाध्याय नगर और पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन कर दिया गया।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अरब देशों के विदेश मंत्रियों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अरब देशों के विदेश मंत्रियों, अरब लीग के महासचिव और अरब प्रतिनिधिमंडलों के प्रमुखों के एक प्रतिनिधिमंडल का स्वागत किया, जो भारत में दूसरी भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक के लिए आए हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने भारत और अरब जगत के बीच गहरे और ऐतिहासिक जन-संबंधों पर प्रकाश डाला, जिन्होंने वर्षों से हमारे संबंधों को प्रेरित और मजबूत किया है। प्रधानमंत्री ने आने वाले वर्षों में भारत-अरब साझेदारी के लिए अपने दृष्टिकोण की रूपरेखा प्रस्तुत की और हमारे लोगों के पारस्परिक लाभ के लिए व्यापार और निवेश, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा और अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में सहयोग को और गहरा करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल से भेंट की

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने मध्य प्रदेश सरकार के स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

बैठक के दौरान, दोनों मंत्रियों ने राज्य में स्वास्थ्य सेवा वितरण प्रणाली को मजबूत और आधुनिक बनाने के तरीकों पर चर्चा की, जिसमें स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ और जन-केंद्रित बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

श्री जाधव ने जनहित के लिए स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार और पारंपरिक एवं आधुनिक चिकित्सा प्रणालियों के एकीकरण के संबंध में श्री पटेल के दृष्टिकोण की सराहना की।

श्री जाधव ने जन स्वास्थ्य के प्रति श्री पटेल की प्रतिबद्धता और संवेदनशीलता की सराहना करते हुए इस बात पर जोर दिया कि केंद्र और राज्य सरकारों के बीच समन्वित प्रयासों से प्रत्येक नागरिक के लिए बेहतर स्वास्थ्य परिणाम सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने मिजोरम प्रतिनिधिमंडल की बैठक के दौरान स्थानीय स्तर पर विकास संबंधी प्रस्तावों की आवश्यकता पर जोर दिया

- प्रतिनिधिमंडल ने सामुदायिक स्तर की विकास पहलों के लिए समर्थन मांगा और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह को एक ज्ञापन सौंपा
- डॉ. जितेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा पूर्वोत्तर क्षेत्र को दी गई उच्च प्राथमिकता को दोहराया। प्रधानमंत्री मिजोरम सहित, पूर्वोत्तर क्षेत्र का लगभग 80 बार दौरा कर चुके हैं जो उनके सभी पूर्ववर्तियों के कुल दौरों से भी है

(जीएनएस)।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान और प्रधानमंत्री कार्यालय, परमाणु ऊर्जा विभाग, अंतरिक्ष विभाग, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह से मिजोरम के विधायक डॉ. के. बेईचुआ के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की। प्रतिनधि मंडल ने राज्य के विभिन्न मुद्दों को उजागर करते हुए उन्हें एक ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा राज्य में सामाजिक विकास के उद्देश्य से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) प्रस्तावों पर विचार करने का अनुरोध किया।

राज्य महासचिव और भाजपा राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व सदस्य डेलसन भी प्रतिनिधिमंडल का

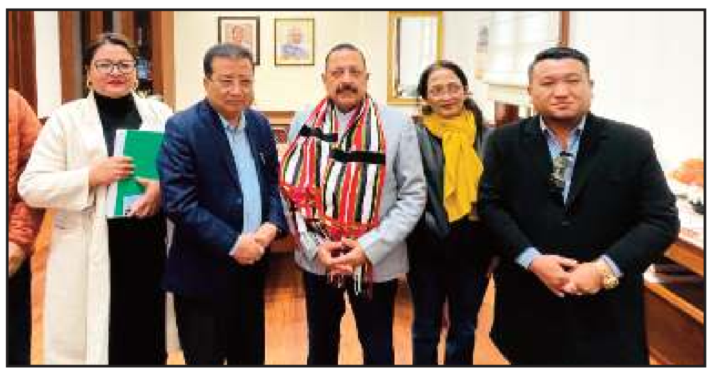

हिस्सा थे।

यह ज्ञापन सामाजिक सुधार समिति द्वारा तैयार किए गए एक परियोजना प्रस्ताव से संबंधित था जो प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के अनुसार, संरचित सामुदायिक स्तर के समाधानों के माध्यम से स्थानीय सामाजिक और आर्थिक जरूरतों को पूरा करने पर केंद्रित है।

अपने प्रस्तुतीकरण में डॉ. बेइचुआ ने विकासात्मक प्रयासों को पूरक बनाने में समर्थन के महत्व का उल्लेख किया विशेष रूप से उन क्षेत्रों में जहां विशिष्ट भौगोलिक और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियां हैं।

इस प्रस्ताव को सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के प्रमुख क्षेत्रों में विचार के लिए अनुशंसित किया गया था। पत्र में कहा गया कि इस प्रकार का समर्थन कार्यान्वयन क्षमता को मजबूत करने के साथ-साथ समावेशी विकास और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने में सहायक हो सकता है।

डॉ. सिंह ने प्रतिनिधिमंडल के परियोजना उद्देश्यों और लक्षित लाभार्थियों के संबंध में उठाए गए बिंदुओं पर ध्यान दिया। उन्होंने स्थानीय आवश्यकताओं पर आधारित और स्थापित सीएसआर ढाँचों के अनुरूप सुविचारित प्रस्तावों के महत्व पर बल दिया। उन्होंने कहा कि निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्यान्वित किए जाने पर सीएसआर पहल विकासोन्मुखी गतिविधियों को समर्थन देने में रचनात्मक भूमिका निभाती हैं।

इस प्रस्ताव में पूर्वोत्तर के निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा केंद्र सरकार और सार्वजनिक क्षेत्र के संस्थानों के साथ विकास संबंधी पहलों पर निरंतर किए जा रहे प्रयासों को दशार्या गया है। इसमें सरकारी कार्यक्रमों के साथ-साथ सामाजिक कल्याण और क्षेत्रीय विकास को आगे बढ़ाने में सहायक तंत्र के रूप में सीएसआर की भूमिका का उल्लेख किया गया है।

प्रतिनिधिमंडल की बातों पर विचार करते हुए डॉ. सिंह ने श्री मोदी द्वारा उत्तर पूर्वी क्षेत्र को दी गई उच्च प्राथमिकता को दोहराया,

लखनऊ में आधी रात को दहल उठा शॉपिंग स्क्वायर, एयरफोर्स के रिटायर्ड अफसर को लहूलुहान कर भागे शूटर!

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में शुक्रवार देर रात बदमाशों के हौसले बुलंद नजर आए। यहां एक रिटायर्ड भारतीय वायुसेना (क्अऋ) अधिकारी को उनके रेस्टोरेंट के बाहर अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए, जबकि गंभीर रूप से घायल अधिकारी को आनन-फानन में मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित की पहचान अवधेश कुमार पाठक (60 वर्ष) के रूप में हुई है, जो वायुसेना से सेवानिवृत्त होने के बाद सुशांत गोल्फ सिटी के शॉपिंग स्क्वायर में अपना 'क्लाउड किचन' और रेस्टोरेंट चलाते हैं।

शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे जब अवधेश पाठक अपना काम खत्म कर घर जाने के लिए अपनी कार की ओर बढ़ रहे थे, तभी घात लगाए बैठे बदमाशों ने उन पर फायरिंग कर दी।

एक गोली उनके कंधे और चेहरे के पास लगी, जिससे वे मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़े।

घटना के समय अवधेश की पत्नी मिथलेश भी रेस्टोरेंट में ही मौजूद थीं। फायरिंग की आवाज सुनकर इलाके में हड़कंप मच गया और लोग मदद के लिए दौड़े। ऊढ दक्षिण निपुण अग्रवाल ने बताया कि पुलिस ने पीड़ित की पत्नी की तहरीर पर अज्ञात हमलावरों के खिलाफ हत्या के प्रयास (धारा 307) सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। डॉक्टरों का कहना है कि ऑपरेशन के बाद अब अवधेश पाठक की हालत स्थिर बनी हुई है, हालांकि वे अभी निगरानी में हैं।

जांच के लिए 5 टीमें गठित, उउळश खंगाल रही पुलिस

लखनऊ पुलिस ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए 5 विशेष टीमें गठित की हैं। पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि हमलावरों के भागने के रास्ते का पता लगाया जा सके। पुलिस शुरूआती जांच में इसे व्यापारिक रंजिश या पुराने विवाद से जोड़कर देख रही है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की जा रही है।श

लखनऊ समेत पश्चिमी जिलों में आज और कल छिटपुट बारिश, गोरखपुर में छाया घना कोहरा

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश में मौसम में उतार-चढ़ाव जारी है। लखनऊ समेत पश्चिमी यूपी में रविवार से बारिश की संभावना है, जो सोमवार-मंगलवार को पूर्वी

कई जिलों में घना कोहरा और शीत दिवस का अलर्ट जारी।

पश्चिमी विक्षोभ से मंगलवार तक छिटपुट बारिश, 4 फरवरी से ठंड बढ़ेगी।

जागरण संवाददाता, लखनऊ। मौसम में उतार-चढ़ाव का सिलसिला जारी है। शनिवार को प्रदेश के कई जिलों घना कोहरा छाया रहा और सुबह ठंड के साथ हवा चलने से गलन भी महसूस की गई। राजधानी में दिन का तापमान पांच डिग्री गिरावट के साथ 18.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि रात का पारा 8.8 डिग्री पहुंच गया।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार से लखनऊ और आसपास समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिलों में बारिश की संभावना है। सोमवार और मंगलवार को पूर्वी यूपी में भी इसका असर होगा।

वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह के अनुसार, शनिवार को सुबह बरेली, गाजियाबाद, अलीगढ़, आगरा, कानपुर और आजमगढ़ में घना कोहरा रहा और इन जिलों में दृश्यता शून्य दर्ज की गई। इसके अलावा मेरठ में दृश्यता 10 मीटर, बरेली और बलिया में 20, हमीरपुर में 40 और लखनऊ में 50 मीटर रही। प्रदेश में सबसे ठंडा हरदोई रहा, जहां पर न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री दर्ज किया गया।

कर्नाटक की शास्त्रीय और लोक परंपराओं ने भारत पर्व 2026 में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया

(जीएनएस)।

कर्नाटक सरकार के कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग ने भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय द्वारा आयोजित भारत पर्व 2026 में शास्त्रीय नृत्य, संगीत और पारंपरिक लोक प्रदर्शनों की जीवंत प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। ये राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दशार्ते हैं।

सांस्कृतिक खंड में कर्नाटक की प्रसिद्ध लोक परंपराओं को प्रदर्शित किया गया, जिसे कर्नाटक पर्यटन विभाग, कन्नड़ एवं संस्कृति विभाग, कर्नाटक सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया, जिससे महोत्सव में आने वाले दर्शक राज्य की विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों से परिचित हुए।

कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण था डोलू कुनिथा, जो कर्नाटक के शिवमोग्गा क्षेत्र का शक्तिशाली और लयबद्ध ढोल नृत्य है। भगवान शिव के एक रूप श्री बीरलिंगेश्वर की पूजा से गहराई से जुड़ा यह ऊजार्वान नृत्य कुरुबा गौड़ा समुदाय की परंपराओं से उत्पन्न हुआ है। तालबद्ध ढोल वादन और ऊर्जा युक्त गतिविधियों से सजी

इस प्रस्तुति में भक्ति, शक्ति और सामुदायिक भावना का प्रतिबिंब दिखाई दिया।

एक और मनमोहक प्रस्तुति थी पूजा कुनिथा, जो दक्षिणी कर्नाटक, विशेष रूप से मांड्या, मैसूरु और बेंगलुरु क्षेत्रों का एक जीवंत लोक नृत्य है। परंपरागत रूप से देवी शक्ति की भक्ति में प्रस्तुत किए जाने वाले इस नृत्य में नर्तक लकड़ी या बांस से सजे ढांचों पर संतुलन बनाए रखते हैं। इन पर अक्सर मूर्तियां या पवित्र कलश रखे होते हैं और तामाते ढोल की लयबद्ध थाप पर सुंदर ढंग से नृत्य करते हैं। मंदिर उत्सवों और धार्मिक जुलूसों से जुड़ा यह नृत्य भक्ति, अद्भुत शारीरिक कौशल और भव्य दृश्य का संगम है।

इस प्रस्तुति में शानदार यक्षगान भी शामिल था जो तटीय कर्नाटक की एक अनूठी नृत्य-नाट्य परंपरा है। इसका इतिहास चार शताब्दियों से अधिक पुराना है। नृत्य, संगीत, रंगमंच और तात्कालिक संवादों का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण यक्षगान, आकर्षक वेशभूषा, भावपूर्ण मुद्राओं और सशक्त संगीत के माध्यम से पौराणिक कथाओं को जीवंत कर देता है। यह पारंपरिक रात्रिकालीन प्रदर्शन कला आज भी विश्व भर में कर्नाटक की सांस्कृतिक पहचान बनी हुई है।

संपूर्ण प्रस्तुति का नृत्य संयोजन और समन्वय श्री जगदीशा सी. जाला द्वारा किया गया था, जिनके कलात्मक निर्देशन ने दर्शकों के लिए एक आकर्षक और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध अनुभव सुनिश्चित किया।

भारत पर्व 2026 में कर्नाटक की प्रस्तुति भारत की जीवंत परंपराओं का एक गौरवपूर्ण प्रतिबिंब थी, जिसने सांस्कृतिक विविधता का जश्न मनाने और राष्ट्रीय मंच पर क्षेत्रीय कला रूपों को बढ़ावा देने की महोत्सव की भावना को मजबूत किया।

आप मुखिया केजरीवाल ने गोवा में पदाधिकारियों के साथ की बैठक

(जीएनएस)।

गोवा की राजनीति में बदलाव की आहट अब साफ सुनाई देने लगी है। आम आदमी की उम्मीदों, युवाओं की आकांक्षाओं और ईमानदार शासन की चाह को लेकर अरविंद केजरीवाल एक बार फिर पूरे राजनीतिक फोकस के साथ गोवा में सक्रिय नजर आ रहे हैं। गोवा राज्य समिति के साथ शनिवार को हुई बैठक और संवाद केवल एक औपचारिक मुलाकात नहीं थी, बल्कि यह 2027 के विधानसभा चुनावों की ठोस, जमीनी और दीर्घकालिक तैयारी का स्पष्ट संकेत है।

बैठक में नेताओं ने कहा कि गोवा में बड़े स्तर पर जमीन का गलत इस्तेमाल हो रहा है। खेती की खाजान जमीन को नुकसान पहुँचाया जा रहा है और झीलों व नदियों को भी बर्बाद किया जा रहा है। नेताओं का कहना था कि भाजपा की गलत नीतियों और बिना सोचे-समझे किए जा रहे विकास के कारण गोवा का पर्यावरण खराब हो रहा है और लोगों की रोजी-रोटी पर असर पड़ रहा है।

आम आदमी पार्टी की राजनीति हमेशा सत्ता के लिए नहीं, बल्कि जनता के लिए रही है। इसी सोच के साथ आम आदमी पार्टी अब गोवा में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने की दिशा में निर्णायक कदम उठा रही है।

केजरीवाल ने पार्टी के राज्य नेतृत्व और कार्यकताओं के साथ संगठनात्मक ढांचे, स्थानीय मुद्दों,

युवाओं की भागीदारी और जनता से सीधे संवाद की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की। यह बैठक इस बात का प्रमाण है कि आम आदमी पार्टी गोवा को लेकर गंभीर है, प्रतिबद्ध है और पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ रही है।

गोवा की जनता वर्षों से एक ईमानदार और जनकेंद्रित विकल्प की तलाश में है। पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था होने के बावजूद बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और आम नागरिक की अनदेखी जैसे मुद्दे लगातार लोगों को परेशान कर रहे हैं। इन्हीं जमीनी सच्चाइयों को समझते हुए केजरीवाल ने स्पष्ट संदेश दिया कि राजनीति सत्ता का साधन नहीं, बल्कि जनता की सेवा का माध्यम होनी चाहिए। यही आम आदमी पार्टी की मूल विचारधारा है और यही विचार गोवा की जनता के दिल से जुड़ रहा है।

पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार ने यह साबित किया है कि ईमानदार नीयत और सही नीति से शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी जैसे बुनियादी मुद्दों पर ऐतिहासिक काम किए जा सकते हैं। स्कूलों का कायाकल्प, मोहल्ला क्लीनिक, मुफ्त और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं, पारदर्शी प्रशासन और भ्रष्टाचार पर सख्ती ये सभी मॉडल अब देशभर में चर्चा का विषय हैं। गोवा की जनता भी यही चाहती है कि उनके राज्य में विकास का यही मॉडल लागू हो, जहां फैसले जनता के हित में हों, न कि चंद लोगों के फायदे के लिए।

केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी गोवा में केवल चुनावी गणित नहीं देख रही, बल्कि जनभावना को समझकर एक मजबूत वैकल्पिक राजनीति खड़ी कर रही है। संगठन को गांव, वार्ड और बूथ स्तर तक मजबूत करना, स्थानीय नेतृत्व को आगे लाना, युवाओं और महिलाओं को राजनीति से जोड़ना, ये सभी कदम 2027 की तैयारी को ठोस आधार देते हैं। यह स्पष्ट है कि आम आदमी पार्टी किसी तात्कालिक लहर पर नहीं, बल्कि स्थायी बदलाव की बुनियाद पर आगे बढ़ रही है।

गोवा की जनता के लिए यह संदेश साफ है कि बदलाव संभव है। ईमानदार नेतृत्व, साफ नीयत और जनता के साथ मिलकर काम करने की राजनीति ही भविष्य का रास्ता है। आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल उसी रास्ते पर पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहे हैं। 2027 का चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन का नहीं, बल्कि गोवा की राजनीति की दिशा और दशा बदलने का अवसर बनेगा और आम आदमी पार्टी इस बदलाव की सबसे मजबूत आवाज बनकर उभर रही है।

50 मीटर तक रौंदती ले गई बेकाबू कार, आगरा में घर के बाहर बैठे परिवार की बिछ गई लाशें!

(जीएनएस)।

आगरा के थाना न्यू आगरा क्षेत्र में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। एक अनियंत्रित तेज रफ्तार टाटा नेक्सन कार ने सड़क किनारे खड़े बाइक सवार और घर के बाहर बैठे लोगों को बुरी तरह रौंद दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना में अब तक 5 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 3 लोग जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

हादसा नगला बूढ़ी इलाके में केंद्रीय हिंदी संस्थान के पास हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, कार की रफ्तार इतनी तेज थी कि चालक ने कंट्रोल खो दिया। कार पहले डिवाइडर से टकराई, फिर एक बाइक सवार को

चपेट में लिया और सड़क किनारे बैठे परिवार के सदस्यों को करीब 50 मीटर तक रौंदते हुए दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

इन लोगों ने गंवाई अपनी जान

हादसे के बाद मौके पर कोहराम मच गया। घायलों को तुरंत सरोजनी नायडू (रठ) मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने 5 लोगों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान इस प्रकार है:

बबली (33 वर्ष), भानु प्रताप (25 वर्ष), कमल (23 वर्ष), कृष्णा (20 वर्ष), बंटेश (21 वर्ष)

गुस्साए लोगों ने ड्राइवर को पीटा, पुलिस ने लिया हिरासत में

हादसे के बाद स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सैकड़ों की संख्या में जमा हुए ग्रामीणों ने भागने की कोशिश कर रहे कार चालक को पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित कर आरोपी ड्राइवर को हिरासत में लिया।

सीएम योगी ने जताया दुख, दिए उचित इलाज के निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने मृतक के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं और जिला प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि घायलों को तत्काल और बेहतर इलाज मुहैया कराया जाए।

केन्द्रीय आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रतापराव जाधव ने पद्म श्री डॉ. पद्म गुरमीत, निदेशक, एनआईएसआर लेह को बधाई दी

(जीएनएस)।

आयुष मंत्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री श्री प्रतापराव जाधव ने नेशनल इंस् टीट्यूट ऑफ सोवा रिग्पा (एनआईएसआर), लेह के निदेशक पद्म श्री डॉ. पद्म गुरमीत को प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किए जाने पर हार्दिक बधाई दी है।

श्री जाधव ने आयुष और पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों, विशेष रूप से सोवा-रिग्पा प्रणाली को बढ़ावा देने में डॉ. गुरमीत के अनुकरणीय

योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि लद्दाख की प्राचीन चिकित्सा परंपराओं के संरक्षण, विकास और मुख्यधारा के स्वास्थ्य सेवा ढांचे में उनके एकीकरण के लिए डॉ. गुरमीत के अथक प्रयासों ने देश में समग्र स्वास्थ्य को एक नई दिशा दी है।

मंत्री ने कहा कि यह सम्मान भारत की सदियों पुरानी चिकित्सा विरासत को संरक्षित करने की दिशा में डॉ. गुरमीत के दशकों के समर्पण, विद्वता और सेवा की पहचान है।

उन्होंने आगे कहा कि संपूर्ण आयुष समुदाय और राष्ट्र इस उपलब्धि पर गर्व महसूस करता है और पारंपरिक ज्ञान और सार्वजनिक स्वास्थ्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

भारत पर्व 2026 में आईएचएम रांची के स्टॉल पर ब्राजील के नागरिक ने झारखंडी और भारतीय संस्कृति की प्रशंसा की

(जीएनएस)।

ऐतिहासिक लाल किले में भारत पर्व के दौरान, इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची के स्टॉल पर अंतरराष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक जीवंत क्षण देखने को मिला, जब एक ब्राजीलियाई नागरिक ने उस स् टॉल का दौरा किया और झारखंड की समृद्ध पाक कला और सांस्कृतिक विरासत में गहरी रुचि दिखाई।

आईएचएम रांची के छात्रों ने अतिथि का हार्दिक स्वागत किया और झारखंडी व्यंजन, पारंपरिक खान-पान की प्रथाओं, स्थानीय सामग्रियों और राज्य की जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं का ज्ञानवर्धक परिचय दिया। उन्होंने भारत पर्व के महत्व पर भी बल दिया। यह एक राष्ट्रीय मंच है और भारत की विविध संस्कृतियों, व्यंजनों और परंपराओं को एक मंच पर एकजुट करता है, विविधता में एकता की भावना और वैश्विक सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

आईएचएम रांची का प्रतिनिधित्व करते हुए शेफ हरे कृष्ण चौधरी ने झारखंड पर विशेष जोर देते हुए भारतीय भोजन परंपराओं के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने समझाया कि कैसे क्षेत्रीय व्यंजन स्थानीय भौगोलिक स्थितियों, जलवायु और जनजातीय विरासत से गहराई से प्रभावित होते हैं, और कैसे झारखंडी व्यंजन भारत की समृद्ध पाक विविधता का अभिन्न अंग है। भारतीय व्यंजनों के वैश्विक महत्व को बताते हुए उन्होंने कहा कि भारत पर्व जैसे आयोजन संस्कृति और खान-पान के माध्यम से भारत की सॉफ्ट पावर को प्रदर्शित करने का एक प्रभावी माध्यम है।

ब्राजील के अतिथि ने छात्रों और शिक्षकों के आतिथ्य सत्कार, ज्ञान और प्रस्तुति की सराहना की और झारखंडी व्यंजनों की सादगी, स्थायित्व और सांस्कृतिक गहराई की प्रशंसा की। यह संवाद सांस्कृतिक कूटनीति का एक उत्कृष्ट उदाहरण था, जिसने विश्व में भारत की सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देने के भारत पर्व के उद्देश्य को सुदृढ़ किया।

भारत पर्व में स्किल स्टूडियो की गतिविधियों के अंतर्गत, शेफ हरे कृष्ण चौधरी ने पारंपरिक झारखंडी व्यंजन धुस्का को आलू चना सब्जी के साथ परोसते हुए एक लाइव पाक कला प्रदर्शन प्रस्तुत किया। इस व्यंजन को दर्शकों और भोजन प्रेमियों दोनों ने खूब सराहा। उन्होंने प्रदर्शन के माध्यम से, झारखंडी व्यंजनों की सादगी, पोषण मूल्य और सांस्कृतिक महत्व के बारे में बताया और समझाया कि कैसे स्थानीय सामग्रियां और खाना पकाने की पारंपरिक विधियां टिकाऊ और सामुदायिक खाद्य प्रथाओं को दशार्ती हैं।

इस प्रस्तुति ने न केवल झारखंड की पारंपरिक भोजन संस्कृति को बढ़ावा दिया, बल्कि आईएचएम रांची की कौशल विकास पहलों को भी प्रदर्शित किया। दर्शकों ने व्यंजन के स्वाद, प्रस्तुति और उससे जुड़ी सांस्कृतिक कहानियों की सराहना की, जिससे झारखंडी व्यंजन भारत पर्व का एक यादगार आकर्षण बन गया।

भारत पर्व 2026 में आईएचएम रांची की भागीदारी क्षेत्रीय व्यंजनों के संरक्षण और संवर्धन के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को दशार्ती है, साथ ही छात्रों को बहुमूल्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय अनुभव प्रदान करती है। शेफ हरे कृष्ण चौधरी की स्किल स्टूडियो में उपस्थिति प्रमुख राष्ट्रीय मंचों पर भारत की विविध पाक कला विरासत को आगे बढ़ाने के प्रति संस्थान के समर्पण को दशार्ती है।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने उम्मीद केन्द्रीय पोर्टल पर सर्वे मॉड्यूल और वक्फ प्रॉपर्टी लीज मॉड्यूल नामक दो अतिरिक्त मॉड्यूल लॉन्च किए

(जीएनएस)।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय ने एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास (उम् मीद) केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी, जनहितैषी और जवाबदेह बनाने के अपने निरंतर प्रयासों के तहत 30 जनवरी 2026 को दो अतिरिक्त मॉड्यूल - सर्वेक्षण मॉड्यूल और वक्फ संपत्ति पट्टा मॉड्यूल लॉन्च किए।

अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्र शेखर कुमार ने मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नए मॉड्यूल् स का शुभारंभ किया।

सर्वेक्षण मॉड्यूल इस पोर्टल पर वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण से संबंधित जानकारी को एकत्रित करने, प्रबंधित करने और अद्यतन करने के लिए एक व्यापक डिजिटल ढांचा प्रदान करता है।

वक्फ संपत्ति पट्टा प्रबंधन मॉड्यूल को पोर्टल के माध्यम से वक्फ संपत्तियों की पट्टा संबंधी जानकारी के संपूर्ण प्रबंधन को सुगम बनाने के लिए डिजाइन किया गया है। यह मॉड्यूल पट्टा संबंधी जानकारी, पट्टा अवधि, पट्टा राशि और अन्य प्रासंगिक विवरणों को व्यवस्थित और पारदर्शी तरीके से रिकॉर्ड करने और उनकी निगरानी

करने में सक्षम बनाता है, जिससे वक्फ संपत्तियों के पट्टा में जवाबदेही और निगरानी को मजबूती मिलती है।

यह शुभारंभ वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन में दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए डिजिटल शासन विधियों का लाभ उठाने के लिए मंत्रालय के निरंतर प्रयासों को दशार्ता है।

डॉ. चंद्र शेखर कुमार ने सभी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश वक्फ बोर्डों को इन मॉड्यूल के व्यापक कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने और पात्र लाभार्थियों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है।

अल्पसंख्यक मामलों के केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू ने 6 जून 2025 को उम् मीद केंद्रीय पोर्टल की शुरूआत की थी। यह एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995 के तहत वक्फ संपत्तियों के वास्तविक समय में अपलोड करने, सत्यापन और निगरानी के लिए एक केंद्रीकृत डिजिटल मंच के रूप में कार्य करता है।

इस पोर्टल का उद्देश्य अधिक पारदर्शिता, जवाबदेही और सार्वजनिक भागीदारी को बढ़ावा देकर पूरे भारत में वक्फ संपत्तियों के प्रशासन के तरीके में एक मौलिक बदलाव लाना है।

इसकी प्रमुख विशेषताओं में सभी वक्फ संपत्तियों की जियो-टैगिंग के साथ एक व्यापक डिजिटल सूची का निर्माण, समय पर और प्रभावी प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए एक ऑनलाइन शिकायत निवारण तंत्र, पारदर्शी पट्टे और उपयोग ट्रैकिंग, जीआईएस मैपिंग और अन्य ई-गवर्नेंस विधियों के साथ एकीकरण और सत्यापित रिकॉर्ड और रिपोर्ट तक सार्वजनिक पहुंच शामिल हैं।

अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय देश भर में वक्फ संपत्तियों के कुशल प्रबंधन के लिए राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों और राज्य वक्फ बोर्डों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

लगातार होती हवाई दुर्घटनाओं के बाद भी बचाव की कारगर योजना नहीं

आखिर हम इन हवाई दुर्घटनाओं में कितनी कीमती जानें गंवाएंगे? अगर हाल ही के प्लेन क्रेशों पर नजर डाले तो 2021 में सीडीएस जनरल विपिन रावत, भारत के पहले प्रामुख रक्षा अध्यक्ष का दिसम्बर 2021 तमिलनाडु के वुनूर के पास एयर क्रेश में मृत्य हो गई। दो सितम्बर 2009 को आंध्र प्रादेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी (वाईएसआर) का हेलीकाप्टर नालामाला जंगल में दुर्घटनाग्रास्त हो गया। 30 अप्रौल 2011 को अरुणाचल प्रादेश के पूर्व मुख्यमंत्री दोइली खांदू को तवांडा से ईंटानगर ही रहे हैं हेलीकाप्टर क्रेश हो गया और उनकी मृत्यु हो गई। हाल ही में 2025 (12 जून) को अहमदाबाद में भयंकर एयर क्रेश में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी सहित 292 यात्रियों की मौत हो गई। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष जीएमसी बालयोगी का निधन भी एक हेलीकाप्टर क्रेश में हुआ। और अब महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित दादा पवार की प्लेन क्रेश में मृत्यु हो गई। पूवा जिले के बारामती में हुए इस हादसे की अब कई कोणों से जांच की जा रही है। क्या यह महज दुर्घटना थी, पायलट एरर था या फिर कोई साजिश थी? इसका जवाब तो गहन जांच से मिल सकता है। अगर कभी मिला भी? क्योंकि आज तक जितने भी क्रेश हुए हैं आज तक उनमें से किसी का भी संतोषजनक जवाब नहीं मिला, यह नहीं पता चल सका कि दुर्घटना का असल कारण क्या था? अजित दादा पवार के प्लेन क्रेश पर वेंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक विजिवलिटी कम होने की वजह से बारामती में रनवे नहीं दिखा और लैंडिग की कोशिश नाकाम हो गई। अगर पं. बंगाल की मुख्यमंत्री सहित कई नेताओं ने हादसे पर सवाल उठाए हैं और सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच की मांग की है। हालांकि, अजित पवार के चाचा शरद पवार ने हादसे के पीछे किसी भी तरह की राजनीति होने की बात से इंकार करते हुए कहा कि यह महज एक दुर्घटना थी। हादसे के बाद शुरूआती जानकारियां भी सामने आ चुकी हैं लेकिन अब भी कई ऐसे अहम सवाल हैं जिनके जवाब देश चाहता है। आखिरी पलों में क्या हुआ? लैंडिग के दौरान किन हालात ने खतरा बढ़ाया और क्या सुरक्षा प्रोटोकाल का पूरी तरह पालन हुआ ये वो सवाल है जो इस पूरे मामले को और गंभीर बना रहे हैं। हमें इन सवालों का जवाब चाहिए उनमें प्रामुख हैं : खराब विजिविलिटी में लैंडिग की कोशिश क्यों की गई? क्या यह संभव था कि विमान वापस चला जाता (अगर उसमें ईंधन काफी था)? लैंडिग व्लीटेंस के बाद अचानक क्या हुआ? कितना सुरक्षित है लियर जेट-45 विमान? नागरिक उड्डयन मंत्रालय के अनुसार वीटी-एसएस थे - एलजे 45 चार्टर विमान माध्यम आकार का बिजनेस जेट है। जिन्हें कनाडा की वंपनी बम्बारडियर एटोस्योन ने बनाया है इसमें 8 यात्रियों के बैठने की जगह है। ये विमान छोटे रनवे वाले हवाई अड्डे पर भी आसानी से उतर सकता है।

यह भी पता चला है कि इससे पहले 14 सितम्बर 2023 को, ऐसा ही विमान मुंबई में लैंडिग के बाद रनवे से फिसल गया था और दो हिस्सों में टूट गया था। बुधवार के हादसे के बाद एक बार फिर से सवाल खड़ा हो गया है कि ये विमान कितना सुरक्षित है? क्या लैंडिग एप्रोच सुरक्षित थी? हादसे के चश्मदीदों ने बताया कि विमान को हवा में देखकर ही लग रहा था कि वे लैंड नहीं कर पाएगा। एक प्रात्यक्षदशा ने बताया कि जब विमान नीचे आ रहा था, ऐसा लग रहा था कि वह क्रेश हो जाएगा। तभी तो क्रेश हो गया। डीजीसीए के बयान में ये बताया गया है कि विमान के पायलट ने पहले रनवे न दिखाई की सूचना दी और बाद में ये सूचना दी गई कि रनवे दिख रहा है।

सोशल मीडिया पर सामने आया है कि जिसमें विमान हवा में ही पलटते हुए दिख रहा है। किसी भी विमान हादसे के बाद मे ये शब्द का इस्तेमाल कई बार होता है। ये शब्द एबिएशन और मैरिटरपून इमरजेंसी के लिहाज से बहुत अहम है। एक अन्य पायलट ने कहा कि मेडे कॉल न किया जाना इस ओर इशारा करता है कि आखिरी वक्त तक पायलट का विमान नियंत्रण में था।

किसान की फसल से खिलवाड़ पर अब सीधा प्रहार, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा : शिवराज सिंह चौहान

खेतों की मेड़ से नीति का संदेश, गिरहोला-खपरी में किसानों से सीधे संवाद में बोले शिवराज सिंह चौहान

धान से बागवानी और ड्रोन तक, आधुनिक कृषि से किसानों की आय बढ़ाने पर केंद्र का फोकस

कृषि, तकनीक और गांव-तीनों को मजबूत करने की रणनीति पर आगे बढ़ रही केंद्र सरकार : शिवराज सिंह चौहान

(जीएनएस)। किसान की मेहनत, उसकी फसल और उसके भविष्य से खिलवाड़ अब किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नकली बीज, नकली खाद और नकली कीटनाशकों के जरिए किसानों को नुकसान पहुँचाने वाले तत्वों के खिलाफ केंद्र सरकार निर्णायक, कठोर और दंडात्मक कार्रवाई के रास्ते पर आगे बढ़ चुकी है। किसानों को कानूनी सुरक्षा का मजबूत कवच प्रदान करने के लिए संसद में शीघ्र ही नए कृषि कानून लाए जाएंगे। यह स्पष्ट और सख्त नीति-संदेश केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने छत्तीसगढ़ के एक दिवसीय प्रवास के दौरान दिया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान और उनका सर्वांगीण विकास है। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि कुछ असामाजिक तत्व नकली कृषि आदानों के माध्यम से किसानों की फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, जो केवल आर्थिक अपराध नहीं, बल्कि किसान के साथ सीधा विश्वासघात है। ऐसे लोगों के खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

प्रवास के आरंभ में खेतों की मेड़ पर उतरे केंद्रीय मंत्री

अपने प्रवास की शुरूआत में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने दुर्ग जिले के ग्राम गिरहोला एवं खपरी का दौरा किया, जहाँ उन्होंने खेतों की मेड़ पर उतरकर किसानों से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने नर्सरी, खेतों और कृषि फार्मों का निरीक्षण करते हुए फसल चक्र, बागवानी, सिंचाई व्यवस्था, बीज उत्पादन और आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी ली।

ग्राम गिरहोला में वृक्षारोपण, हरित और लाभकारी खेती पर जोर

ग्राम गिरहोला में केंद्रीय मंत्री ने आम के पौधे का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित विकास का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम

नहीं, बल्कि किसानों के लिए दीर्घकालीन आय का सशक्त स्रोत भी बन सकता है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे कृषि के साथ-साथ बागवानी और वृक्ष आधारित खेती को भी अपनाएँ।

खपरी में कृषि फार्म निरीक्षण और किसान चौपाल

इसके पश्चात केंद्रीय कृषि मंत्री ग्राम खपरी स्थित अनिल कृषि फार्म पहुँचे, जहाँ उन्होंने खेतों का निरीक्षण कर किसानों से संवाद किया। किसान चौपाल में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रगतिशील किसानों को बधाई देते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के किसान पारंपरिक खेती के साथ आधुनिक तकनीकों को तेजी से अपना रहे हैं, जो पूरे देश के लिए प्रेरणादायी है।

धान से बागवानी की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़

किसानों से संवाद करते हुए श्री चौहान ने कहा कि धान की पारंपरिक खेती के साथ बागवानी, सब्जी उत्पादन और विविधीकृत कृषि अपनाने से किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो रही है। किसानों ने भी बताया कि धान की तुलना में बागवानी फसलों से अधिक लाभ मिल रहा है। इस पर केंद्रीय मंत्री ने फसल विविधीकरण को समय की आवश्यकता बताते हुए अन्य किसानों को भी इस दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि योजनाओं पर फोकस

केंद्रीय मंत्री ने किसानों को केंद्र सरकार की प्रमुख कृषि योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के माध्यम से छोटे एवं सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष लाभांतरण दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत प्राकृतिक आपदाओं से फसलों को सुरक्षा प्रदान की जा रही है। राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के माध्यम से कृषि नवाचार और उत्पादन वृद्धि को प्रोत्साहित किया जा रहा है। डिजिटल कृषि मिशन और ड्रोन तकनीक के जरिए फसल निगरानी, कीटनाशक छिड़काव और लागत में कमी सुनिश्चित की जा रही है।

प्राकृतिक खेती और जल संरक्षण को बताया भविष्य की राह

उन्होंने प्राकृतिक खेती, सूक्ष्म सिंचाई और जल संरक्षण आधारित कृषि को भविष्य की खेती बताते हुए किसानों से अधिक से अधिक इन योजनाओं से जुड़ने का आ'ान किया।

कृषि के साथ-साथ ग्रामीण विकास योजनाओं पर भी केंद्रीय मंत्री ने विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से गांवों की बुनियादी संरचना, संपर्क सुविधा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास केवल भवन और सड़क तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सम्मानजनक जीवन और आजीविका से जुड़ा हुआ है।

किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को लाभकारी बनाने का संकल्प

अपने संबोधन में केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार का संकल्प है कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में कृषि को लाभकारी बनाया जाए और किसानों की आय में निरंतर वृद्धि हो। उन्होंने विश्वास जताया कि आधुनिक तकनीक, मजबूत नीति, प्रभावी कानून और किसानों की मेहनत से कृषि क्षेत्र में नई क्रांति आएगी।

केंद्रीय कृषि मंत्री का यह एक दिवसीय प्रवास राज्य में कृषि बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, किसानों को जागरूक करने और आधुनिक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है।

इस अवसर पर प्रदेश के गृह मंत्री श्री विजय शर्मा, कृषि एवं किसान कल्याण तथा आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम, स्कूल शिक्षा, विधि एवं कार्य मंत्री श्री गजेन्द्र यादव, विधायक अहिवारा श्री डोमन लाल कोसेर्वाड़ा, कृषि अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक, वरिष्ठ अधिकारी तथा बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

विकसित भारत के लिए आईआईसीए और नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल के बीच रणनीतिक सहयोग की संभावनाओं की खोज

(जीएनएस)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (क्क्रउअ) ने नेशनल प्रोडक्टिविटी काउंसिल (ठढउ) के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की, जिसका नेतृत्व महानिदेशक श्रीमती नीरजा शेखर तथा उप महानिदेशक (ग्रुप) श्री उमाशंकर प्रसाद ने किया। इस बैठक का उद्देश्य प्रशिक्षण, अनुसंधान, उत्पादकता, स्थिरता और अनुपालन सहयोग के क्षेत्रों में संभावित साझेदारी की तलाश करना था।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत आईआईसीए के महानिदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री ज्ञानेश्वर कुमार सिंह ने किया और अतिथियों को शॉल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

अपने संबोधन में महानिदेशक एवं सीईओ, आईआईसीए ने उद्योग जगत से उभरती और निरंतर बदलती मांगों पर प्रकाश डाला तथा संस्थानों के लिए राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप प्रासंगिक बने रहने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि देश के नेतृत्व ने भविष्य के लिए एक स्पष्ट दृष्टि प्रस्तुत की है और 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए संस्थानों को व्यक्तिगत तथा सामूहिक दोनों स्तरों पर योगदान देना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि एनपीसी जैसे संस्थागत साझेदारी उभरती चुनौतियों—शासन, उत्पादकता, स्थिरता और नवाचार—का प्रभावी समाधान खोजने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर आईआईसीए के विभिन्न स्कूलों और केन्द्रों के प्रमुखों द्वारा संस्थान की भूमिका और गतिविधियों पर विस्तृत प्रस्तुतियाँ दी गईं। इन प्रस्तुतियों में शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान, वकालत (एडवोकेसी) और परामर्श सेवाओं के माध्यम से सरकार एवं निजी क्षेत्र की पहलों को समर्थन देने में आईआईसीए की बहुआयामी भूमिका को रेखांकित किया गया।

संवाद के दौरान एनपीसी की महानिदेशक श्रीमती नीरजा शेखर ने बताया कि एनपीसी की स्थापना 1958 में, स्वतंत्रता के तुरंत बाद उस समय हुई जब देश सीमित संसाधनों और उत्पादकता बढ़ाने की तात्कालिक आवश्यकता से जूझ रहा था। उन्होंने जापान की ऐतिहासिक उत्पादकता यात्रा का उल्लेख किया, जिसने भारत में संस्थागत रूप से उत्पादकता आंदोलन की नींव रखी। तब से एनपीसी ने अपना दायरा उद्योग से आगे बढ़ाकर कृषि, सेवाएँ, एमएसएमई, स्थिरता, हरित उत्पादकता और ईएसजी आधारित पहलों तक विस्तारित किया है।

उन्होंने एमएसएमई और स्टार्टअप्स के लिए अनुपालन सहयोग में एनपीसी की बढ़ती भूमिका पर भी प्रकाश डाला, जिसमें पर्यावरण ऑडिट, ऊर्जा अनुपालन, जल प्रबंधन, बीआरएसआर रिपोर्टिंग और ईएसजी परामर्श शामिल हैं। एनपीसी पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के साथ भी उभरते अनुपालन ढाँचों और उद्योग की नियामकीय आवश्यकताओं के समर्थन हेतु पेशेवर क्षमता निर्माण पर कार्य कर रहा है।

अपने संबोधन में आईआईसीए के महानिदेशक एवं सीईओ ने कहा कि अब प्रशिक्षण संस्थान, शोध निकाय और नीति संगठन अलग-अलग काम नहीं कर सकते। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर कार्यक्रम, सीएसआर प्रभाव ढाँचे, अनुपालन क्षमता निर्माण और अनुप्रयुक्त अनुसंधान जैसे क्षेत्रों को तत्काल सहयोग के प्रमुख बिंदुओं के रूप में चिन्हित किया, जहाँ दोनों संस्थान मिलकर राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रभाव पैदा कर सकते हैं।

दोनों संस्थानों ने आगे मिलकर कार्य करने की मजबूत प्रतिबद्धता व्यक्त की, ताकि आईआईसीए की नीति अनुसंधान, प्रशिक्षण और परामर्श क्षमता को एनपीसी की व्यवहारिक और कार्यान्वयन आधारित उत्पादकता विशेषज्ञता के साथ जोड़कर भारत को एक उच्च आय, प्रतिस्पर्धी, नवोन्मेषी और सतत अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर किया जा सके। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ. नवीन सिरोही, प्रमुख झ स्कूल ऑफ फाइनेंस एंड मैनेजमेंट, आईआईसीए द्वारा किया गया।

केन्द्रीय आयुवेर्दीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने आयुष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुप्रयोगों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया

प्रविष्टि तिथिः 31 खअठ 2026 11:42अट्८ ढक्ह ऊँ

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के अधीन केन्‍द्रीय आयुवेर्दीय विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस) ने 30 जनवरी को आयुष में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर अपना प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया । यह कार्यक्रम सूचना प्रौद्योगिकी और डेटा-आधारित दृष्टिकोणों के अनुप्रयोग को आयुष अनुसंधान में सुदृढ़ करने के उद्देश्य से 15 दिसंबर से शुरू किया गया था।

इस प्रशिक्षण के लिए कुल 180 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से एक सुव्यवस्थित जांच प्रक्रिया के बाद 33 छात्रों का चयन किया गया। चयनित प्रशिक्षु मुख्य रूप से नई दिल्ली और उसके आसपास के इंजीनियरिंग संस्थानों से थे। यह कार्यक्रम आयुष प्रणालियों से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के अनुप्रयोग का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए बनाया गया था।

प्रशिक्षण के दौरान, प्रतिभागियों ने एआई-आधारित परियोजनाओं की एक विस्तृत श्रृंखला पर काम किया, जिनमें औषधीय पौधों पर शोध, जैवसूचना विज्ञान, प्रकृति मूल्यांकन, मेडिकल इमेजिंग, शारीरिक मुद्रा का पता लगाना और पांडुलिपियों की ऑप्टिकल कैरेक्टर पहचान (ओसीआर) शामिल हैं। ये परियोजनाएं डिजिटल प्रलेखन, साक्ष्य निर्माण और पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों के प्रौद्योगिकी-आधारित सत्यापन के सीसीआरएएस के व्यापक उद्देश्यों के अनुरूप थी।

इस कार्यक्रम ने एक संवादात्मक और अंतःविषयक शिक्षण वातावरण प्रदान किया, जिससे प्रशिक्षुओं को आयुष की पारंपरिक अवधारणाओं को आधुनिक गणनात्मक उपकरणों के साथ एकीकृत करने में मदद मिली। संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों के मार्गदर्शन ने प्रतिभागियों में नवाचार, आलोचनात्मक सोच और व्यावहारिक समस्या-समाधान को प्रोत्साहित किया।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयुष

अनुसंधान एवं विकास में युवा प्रतिभाओं को शामिल करके और उन्नत प्रौद्योगिकियों के उपयोग को बढ़ावा देकर क्षमता निर्माण, नवाचार और संस्थागत सुदृढ़ीकरण के प्रति सीसीआरएएस की निरंतर प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस पहल से एक सशक्त अनुसंधान तंत्र के निर्माण में योगदान मिलने और साक्ष्य-आधारित एवं प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोणों के माध्यम से आयुष को मुख्यधारा में लाने के दीर्घकालिक दृष्टिकोण को समर्थन मिलने की उम्मीद है।

इस कार्यक्रम का समन्वय प्रभारी अधिकारी (आईटी) डॉ. राकेश नारायण वी., श्री नमन गोयल, श्री साहिल, डॉ. गगनदीप और सीसीआरएएस मुख्यालय स्थित आईटी सेल के अन्य तकनीकी अधिकारियों ने किया।

समापन सत्र को सीसीआरएएस के महानिदेशक (डीजी) प्रो. रबीनारायण आचार्य ने संबोधित किया। इस अवसर पर सीसीआरएएस के उप महानिदेशक (डीडीजी) डॉ. एन. श्रीकांत, परिषद के वरिष्ठ अधिकारी और अनुसंधान अधिकारी उपस्थित थे। उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने प्रशिक्षुओं के प्रयासों की सराहना की और आयुष प्रणालियों में साक्ष्य-आधारित अनुसंधान को सुदृढ़ करने में उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ते महत्व पर बल दिया।

प्रोफेसर आचार्य ने आयुष क्षेत्र को आगे बढ़ाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रणनीतिक महत्व पर प्रकाश डाला और इस क्षेत्र में सीसीआरएएस की चल रही पहलों के बारे में बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रशिक्षण के दौरान विकसित किए गए अनुप्रयोगों को व्यवस्थित, परियोजना-आधारित कार्यान्वयन के माध्यम से सत्यापन और विस्तार के लिए आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

हेडक्वार्टर वेस्टर्न एयर कमांड में सिंदूर शौर्य सम्मान सम्मेलन आयोजित

(जीएनएस)। हेडक्वार्टर वेस्टर्न एयर कमांड ने भारतीय वायु सेना और राष्ट्र को गौरवान्वित करने वाले वीर वायु योद्धाओं को सलाम करने के लिए 'सिंदूर शौर्य सम्मान सम्मेलन' का आयोजन किया।इस समारोह में उन कार्मिकों को सम्मानित किया गया, जिन्हें असाधारण वीरता, अप्रतिम नेतृत्व और कर्तव्य के प्रति निस्वार्थ समर्पण के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रपति पुरस्कार प्रदान किए गए। कठिन परिचालन परिस्थितियों में किए गए उनके कार्यों ने दुर्लभ साहस, सटीक निष्पादन और मिशन की सफलता के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

पुरस्कार प्राप्तकताओं का आचरण भारतीय वायु सेना की सर्वोच्च परंपराओं और उसके 'स्वयं से पहले सेवा' के स्थायी भाव का प्रतीक है।

वेस्टर्न एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा ने समारोह की अध्यक्षता की और सभी पुरस्कार प्राप्तकताओं से भेंट की। अपने संबोधन में उन्होंने उनके पेशेवर दबाव में त्वरित निर्णय लेने की क्षमता और कठिन परिचालन वातावरण में अडिग संकल्प की प्रशंसा की। उन्होंने जोर दिया कि परिचालन उत्कृष्टता कठोर संयुक्त प्रशिक्षण, संसाधनों का निर्बाध समन्वय और उन वायु योद्धाओं की अजेय भावना पर आधारित है जो चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में हर समय निर्णायक प्रतिक्रिया देने के लिए तैयार रहते हैं।

बाद में, इन सम्मानित वायु योद्धाओं ने वायु सेना के वेटरन्स के साथ संवाद किया, जिन्होंने अपने अनुभव और परिचालन बुद्धिमत्ता साझा की।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, इन सम्मानित कार्मिकों ने जटिल परिचालन परिदृश्यों में असाधारण साहस, इच्छुक परिशुद्धता, क्षेत्रीय विशेषज्ञता और समन्वित संयुक्त निष्पादन का प्रदर्शन किया। उनके योगदान मिशन उद्देश्यों को प्राप्त करने और भारतीय वायु सेना की इच्छाशक्ति तथा राष्ट्रीय संकल्प को प्रदर्शित करने में निर्णायक सिद्ध हुए।

इस आयोजन ने भारतीय वायु सेना की स्थायी सतर्कता, परिचालन तैयारियों और राष्ट्र की संप्रभुता तथा वायुसीमा की रक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया।

भारतीय विदेश व्यापार संस्थान ने टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग 2026 में पहला स्थान प्राप्त किया

आईआईएफटी छात्रों को वैश्विक व्यापार नेतृत्व के लिए कौशल और दूरदृष्टि प्रदान करता है: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल

(जीएनएस)। भारतीय विदेश व्‍यापार संस्‍थान (आईआईएफटी) ने टाइम्स बी-स्कूल रैंकिंग 2026 में पहला स्थान प्राप्त किया है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैश्विक व्यवसाय पर विशेष ध्यान देने वाले प्रबंधन शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान के रूप में इसकी स्थिति को और मजबूत करता है। आईआईएफटी भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त संस्थान है। इसके परिसर दिल्ली, कोलकाता, काकीनाडा और गिफ्ट सिटी में स्थित है।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने शीर्ष स्थान प्राप्त करने पर संस्थान को बधाई देते हुए इस उपलब्धि को छात्रों को कौशल, दूरदर्शिता और महत्वपूर्ण क्षमताओं से सशक्त बनाने में आईआईएफटी के निरंतर प्रयासों का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि संस्थान भविष्य के नेता बनाने और वैश्विक व्यापार परिदृश्य में भारत की उपस्थिति को और मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

वाणिज्य सचिव और आईआईएफटी के कुलाधिपति श्री राजेश अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि संस्थान की प्रगति इसकी मजबूत शैक्षणिक नींव, बढ़ते वैश्विक दृष्टिकोण और उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने कहा कि आईआईएफटी अंतरराष्ट्रीय व्यापार में वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने की भारत की आकांक्षा का समर्थन करता है और राष्ट्रीय व्यापार, आर्थिक और रणनीतिक प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक स्तर पर सक्षम प्रबंधन पेशेवरों को तैयार करके विकसित भारत की परिकल्पना में योगदान देता है।

आईआईएफटी के कुलपति प्रोफेसर राकेश मोहन जोशी ने श्री पीयूष गोयल और श्री राजेश अग्रवाल को उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण और अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के क्षेत्र में प्रबंधन शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। उन्होंने शैक्षणिक दृढ़ता, नीतिगत प्रासंगिकता, उद्योग के साथ जुड़ाव और अंतरराष्ट्रीय पहुंच को बढ़ाकर, शिक्षण, अनुसंधान और संचालन में वर्तमान समय की वास्तविकताओं को एकीकृत करके इसे विश्व स्तरीय संस्थान बनाने का लक्ष्य रखा है।

1963 में स्थापित, भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (आईआईएफटी) भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधीन एक डीम्ड विश्वविद्यालय है। आईआईएफटी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और व्यवसाय के क्षेत्र में एक प्रमुख संस्थान के रूप में उत्कृष्ट एमबीए कार्यक्रम, कार्यकारी शिक्षा और डॉक्टरेट अनुसंधान प्रदान करता है।

गन्ने के खेत में तेंदुए का शव मिला:तीन दिन से इलाके में सक्रिय था तेंदुआ, ग्रामीणों में था खौफ

(जीएनएस)।

पीलीभीत,थाना सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के ग्राम श्रीनगर गौंटिया में शनिवार सुबह एक तेंदुए का शव गन्ने के खेत में मिला। इस घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। यह तेंदुआ पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में सक्रिय था, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल था।

क्षेत्रीय ग्रामीणों के अनुसार, पिछले तीन दिनों से गांव पटिहन और आसपास की आबादी के पास तेंदुए की आवाजाही देखी जा रही थी। गुरुवार देर रात उसे नेतापुर की आबादी में भी घुसते हुए देखा गया था।

ग्रामीणों की सूचना पर सामाजिक वानिकी विभाग की टीम तेंदुए की लगातार निगरानी कर रही थी। हालांकि, शुक्रवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में उसकी मृत्यु हो गई। शनिवार सुबह जब ग्रामीण खेतों की ओर गए, तो उन्होंने श्रीनगर गौंटिया से सटे गन्ने के खेत में तेंदुए का मृत शरीर देखा।

घटना की सूचना तुरंत खुटार सामाजिक वानिकी विभाग को दी गई। रेंजर मनोज कुमार श्रीवास्तव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। वन विभाग ने शव को कब्जे में लेकर रेंज कार्यालय पहुंचाया।

रेंजर मनोज कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि प्राथमिक जांच में तेंदुआ पिछले कुछ दिनों से बीमार लग रहा था और इसी कारण वह आबादी के निकट गन्ने के खेतों में रह रहा था। उन्होंने आगे बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्श्फ्क्र), बरेली भेज दिया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा।

इलाके में अब भी बना है डर

सेहरामऊ उत्तरी क्षेत्र के आधा दर्जन से अधिक गांवों में तेंदुए की मौजूदगी से किसान डरे हुए हैं। हाल के दिनों में तेंदुए के हमलों की खबरें भी सामने आई हैं। वन विभाग ने ग्रामीणों को सतर्क रहने और अकेले खेतों में न जाने की सलाह दी है।

दागी जेई की रिपोस्टिंग:शासनादेशों को दरकिनार कर हथियाए कई अतिरिक्त प्रभार

(जीएनएस)।

पीलीभीत,लोक निर्माण विभाग (ढहऊ) के जूनियर इंजीनियर (जेई) मनोज कुमार सुमन की बहाली को लेकर सवाल उठ रहे हैं। उन पर आरोप है कि भ्रष्टाचार के आरोपों में पदमुक्त किए जाने के बावजूद, उन्होंने उच्चाधिकारियों को गुमराह कर और शासनादेशों का उल्लंघन करते हुए दोबारा महत्वपूर्ण पदों पर कार्यभार संभाल लिया है।

पूर्व जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह ने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सिद्ध होने के बाद मनोज कुमार सुमन के खिलाफ सख्त कार्रवाई की थी। जांच में दोषी पाए जाने पर उन्हें नगर पंचायत पकड़िया नौगवा के अतिरिक्त प्रभार से तत्काल हटा दिया गया था।

इस कार्रवाई को भ्रष्टाचार के खिलाफ एक महत्वपूर्ण कदम माना गया था।

सूत्रों के अनुसार, पूर्व जिलाधिकारी संजय कुमार सिंह के स्थानांतरण और नए जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के कार्यभार संभालने के बाद स्थिति बदल गई। आरोप है कि मनोज कुमार सुमन ने अपने प्रभाव का इस्तेमाल करते हुए, पूर्व में हुई दंडात्मक कार्रवाई और संबंधित तथ्यों को छिपाकर प्रशासन को गुमराह किया। इसके परिणामस्वरूप, उन्होंने दोबारा नगर पंचायत पकड़िया नौगवा का अतिरिक्त प्रभार प्राप्त कर लिया, जहाँ से उन्हें पहले हटाया गया था।

मनोज कुमार सुमन की कार्यप्रणाली पर इसलिए भी सवाल उठ रहे हैं क्योंकि वर्तमान में उनके पास कई विभागों के अतिरिक्त प्रभार हैं। उनकी मूल तैनाती पीडब्ल्यूडी खंड में है। इसके अतिरिक्त, उनके पास नगर पंचायत पकड़िया नौगवा, नगर पंचायत कलीनगर और डूडा (DUDA) में भी जेई पद का अतिरिक्त प्रभार है। यह सवाल उठाया जा रहा है कि क्या जिले में तकनीकी अधिकारियों की इतनी कमी है कि एक विवादित छवि वाले जूनियर इंजीनियर को इतने महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

DM ने दिए जांच के आदेश

मामला तूल पकड़ते ही एक बार फिर जिलाधिकारी के दरबार में पहुँचा है। इस पूरे प्रकरण पर वर्तमान जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने गंभीरता दिखाई है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि मामला उनके संज्ञान में आया है और वह पुरानी पत्रावलियों का बारीकी से अवलोकन कर रहे हैं। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया है कि यदि नियमों का उल्लंघन कर तथ्यों को छिपाया गया है, तो नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रधान मंत्री का सपना हर गरीब के सर के ऊपर होगी छत

पहली किस्त खाते मे आने पर जहां एक तरफ लोगों खुशी का माहौल

(जीएनएस)।

जैदपुर बाराबंकी, प्रधान मंत्री का सपना हर गरीब के सर के ऊपर होगी छत इस योजना के अंतर्गत नगर पंचायत जैदपुर में भारी संख्या में गरीबों की पहली किस्त खाते मे आने पर जहां एक तरफ लोगों खुशी का माहौल बना हुआ है ,वहीं आज गरीबों को आवास दिलाने हेतु सभासद नसीम, शाहरुख के साथ लेखपाल पंकज मिश्रा जांच करते नजर आये,

बताते चलें कि नगर पंचायत जैदपुर में 292 गरीब लोगों को पहली किस्त में एक एक लाख रूपए आने पर लोगों के चेहरे की चमक बढ गयी है वहीं आवास की आस लगायें बैठे लोगों को आवास दिलाने हेतु नगर पंचायत जैदपुर के सभासदों ने कमर कस ली है जिसे लेकर शनिवार को सभासद नसीम शाहरुख लेखपाल पंकज मिश्रा लेखपाल शिवम शर्मा के साथ जांच करते नजर आये जबकि सभासद ताहिर सुफियान,राम सिंह, शाहे आलम, अबसार अलताब अंसारी कलीम आलम, निजामुद्दीन सहित अन्य सभासद भी गरीबो को आवास दिलाने हेतु लगातार प्रयास करते नजर आ रहे हैं,

इस संबंध में सभासद ताहिर अंसारी और शाहे आलम ने आम जनता को जागरूक करते हुये बताया कि ये योजना गरीबों के लिये है इस में किसी को कोई शुल्क व रिश्वत देने की कोई जरूरत नहीं है, जबरन कोई पैसों की मांग करें तो तत्काल शिकायत करें, जांच में पात्र होने पर सभी गरीबों को सरकार की बड़ी इस आवास योजना कि लाभ जरूर दिलाया जायेगा,

विशाल हिन्दू सम्मेलन्ट के लिए नगर में जोरदार प्रचार, विधायक विवेक वर्मा समेत गणमान्य नागरिकों ने बांटे आमंत्रण पत्र

(जीएनएस)।

पीलीभीत/बीसलपुर, हिन्दू जागरण को नई ऊर्जा प्रदान करने के उद्देश्य से सर्व हिन्दू समाज द्वारा सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक एकता के प्रतीक के रूप में " हिन्दू सम्मेलन" का आयोजन किया जा रहा है। इसकी तैयारियां जोरों पर हैं।आज नगर में घूम-घूमकर लोगों को आमंत्रण पत्र बांटे गए। इस अवसर पर विधायक विवेक वर्मा, अमित अग्रवाल सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। उन्होंने नगर की जनता को आमंत्रण पत्र देकर कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल होने का आग्रह किया। सभी क्षेत्रों में आमंत्रण पत्रों का वितरण किया गया और लोगों से निवेदन किया गया कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन में भाग लें।कार्यक्रम विवरण:तिथि: माघ कृष्ण पूर्णिमा, विक्रम संवत 2082 (1 फरवरी 2026, रविवार)समय: सायं 7 बजे सेस्थल: अग्रवाल सभा भवन, बीसलपुर मुख्यवक्ता: श्री धर्मेन्द्र जी, प्रान्त प्रचारक बृज प्रान्त समापन: भारत माता की आरती एवं भोजन प्रसादी निवेदक: श्री जानकी रतन हिन्दू सम्मेलन समितिआयोजकों का कहना है कि आपकी उपस्थिति आयोजन की गरिमा बढ़ाएगी और समाज में नई ऊर्जा का संचार होगा। सभी से अपील है कि कार्यक्रम में अवश्य पधारें।

आमंत्रण पत्र

"हिन्दू सम्मेलन"

तिथि: माघ कृष्ण पूर्णिमा विक्रम संवत् 2082

1 फरवरी 2026 दिन रविवार सायं 7 बजे से

-कार्यक्रम स्थल:-

अग्रवाल सभा भवन, बीसलपुर

मुख्यवक्ता: श्री धर्मेन्द्र जी, प्रान्त प्रचारक बृजप्रान्त

निवेदक

श्री जानकी रतन हिन्दू सम्मेलन समिति

समापन भारत माता की आरती एवं भोजन प्रसादी के साथ

विराट व ऐतिहासिक देवघर पुस्तक मेला में आयोजित ट्वंदे-मातरमट कार्यक्रम ने दर्शको का मन मोहा

ब्यूरो रिपोर्ट लखनऊ

लखनऊ। देवघर के स्थानीय बीएड कॉलेज प्रान्गण में ज्ञान का महाकुंभ, महाविद्या द्वारा आयोजित 23वाँ विराट पुस्तक मेला में भव्य "वंदें-मातरम' कार्यक्रम ने पूरे माहौल को देश भक्ति, उत्साह और जोश से भर दिया। वंदे मातरम के 150 वी वर्षगाठ को समर्पित वंदे भारत के इस वंदे मातरम के ऐतिहासिक कार्यक्रम के उम्दा प्रदर्शन ने लोगो को संस्कृति, देश भक्ति, जोश और उत्साह से भर दिया। इस कार्यक्रम की अद्भूत, शानदार रोचक प्रस्तुति ने दर्शकों का मन मोह लिया। मंचासीन कलाकारों ने अपने अदम्य कौशल से देश की सांस्कृतिक एकता, संस्कृति, परंपरा, कला और गौरव का प्रभावशाली ढंग से अद्भुत प्रदर्शन व झलक प्रस्तुत किया। इस अविस्मरणीय अदभूत, शानदार, भव्य व रोचक आयोजन पर राष्ट्र जागृति मंच के जिला अध्यक्ष प्रभाष गुप्ता ने आयोजक के तमाम सदस्यों एवं कलाकारों के प्रति आभार प्रकट करते हुए धन्यवाद व्यक्त किया है।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण के अंतर्गत बूथों का निर्वाचन अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण

(जीएनएस)।

बाराबंकी 31 जनवरी 2026

भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार चलाए जा रहे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत निर्वाचक नामावली को अद्यतन किए जाने हेतु जनपद के समस्त मतदेय स्थलों पर बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को फार्म-6, फार्म-6क, फार्म-7 एवं फार्म-8, घोषणा पत्र तथा ए०एस०डी०डी० सूची के साथ उपस्थित रहकर आलेख्य निर्वाचक नामावली में युवा मतदाताओं के नाम सम्मिलित करने, अपमार्जन एवं संशोधन के निर्देश दिए गए हैं।

उक्त निर्देशों के अनुपालन एवं कार्यों की प्रगति का स्थलीय निरीक्षण उप जिला निर्वाचन अधिकारी निरंकार सिंह द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 268-बाराबंकी के विभिन्न मतदेय स्थलों पर किया गया।उन्होंने बड़ेल मतदान केंद्र स्थित मतदेय स्थल संख्या 380, 381, 382, 383, 384, 385,386 व राम सेवक इंटर कॉलेज लखपेड़ाबाग के मतदेय स्थल संख्या 398,399,400,401, 402 का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा बीएलओ को निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए पात्र मतदाताओं का नाम समयबद्ध रूप से निर्वाचक नामावली में सम्मिलित करने तथा सभी आवेदनों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

संगम नगरी प्रयागराज स्थित अरैल परमात्मा निकेतन त्रिवेणी पुष्प में हुआ भजन संध्या का आयोजन

(जीएनएस)।

लखनऊ। संगम नगरी प्रयागराज अरैल स्थित परमार्थ निकेतन त्रिवेणी पुष्प में हुआ भक्ति संगीत एवं युवा चेतना के संगम का भजन क्लबिंग का उद्घाटन। कार्यक्रम का उद्घाटन बतौर मुख्य अतिथि के तौर पर कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश शासन नंद गोपाल गुप्ता नंदी द्वारा किया गया इसी अवसर पर शहर उत्तरी से विधायक हर्षवर्धन वाजपेई, प्रयागराज से ऋषभ केसरवानी, नीरज त्रिपाठी, कविता त्रिपाठी सहित अन्य गणमान्य जन

उपस्थित रहे कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर वार्ड 47 की पार्षद सरिता देवी महरा का सफल योगदान रहा। इसी क्रम में पत्रकार विकास काउंसिल भारत की प्रदेश अध्यक्ष बबीता शर्मा को मीडिया प्रभारी के रूप में विशिष्ट अतिथि के तौर पर आमंत्रित कर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज की भटकती हुई युवा पीढ़ी को संस्कार ऊर्जा भक्ति और चेतना से जोड़ना है इस दौरान भक्ति संगीत आध्यात्मिक संवाद एवं युवाओं की सक्रिय सहभागिता के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा का अनुपम संगम देखने को मिला प्रयागराज में यह पहला ऐतिहासिक भजन संध्या का कार्यक्रम था जो कि युवाओं को सीधे ईश्वर की भक्ति से जोड़ता है कार्यक्रम की व्यवस्था संगठन का कार्य संगम सेरेनिटी के द्वारा किया गया कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान हर्षवर्धन गुप्ता, ऋषभ केसरवानी, अर्पित केसरवानी, यशवर्धन गुप्ता के साथ लोग मौजूद रहे।

एसआईआर नोटिस से घबराई जनता के लिए आगे आए सभासद

(जीएनएस)।

जनपद बाराबंकी में रक्फ़(स्पेशल आइडेंटिफिकेशन रजिस्ट्रेशन) प्रक्रिया को लेकर आम जनता बीते कई महीनों से दर दर भटक रही है। आवश्यक कागजात और सत्यापन को लेकर लोग लगातार सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। हालात उस समय और गंभीर हो गए जब रक्फ़ सूची जारी होने के बाद बड़ी संख्या में लोगों के घरों पर नोटिस पहुंचने लगी।

नोटिस मिलने के बाद खासकर कम पढ़े-लिखे लोग काफी असमंजस में नजर आए। नोटिस में लिखी औपचारिक भाषा और प्रक्रिया को समझना उनके लिए मुश्किल साबित हुआ। लोगों में डर और चिंता का माहौल बन गया कि कहीं उनके दस्तावेज अधूरे होने के कारण कोई समस्या न खड़ी हो जाए।

ऐसे कठिन समय में जनप्रतिनिधियों ने जनता की समस्याओं को गंभीरता से समझते हुए उनकी मदद के लिए आगे आना शुरू किया। इसी क्रम में वार्ड रईस कटरा व वार्ड बड़ापूरा के बहुचर्चित सभासद ताहिर अंसारी अबू सुफियान अंसारी ने सराहनीय पहल करते हुए अपने अपने

वार्डों के साथ-साथ जैदपुर के अन्य वार्डों के सैकड़ों लोगों को लेकर हरख ब्लॉक कार्यालय का रुख किया।

हरख ब्लॉक पहुंचने पर सभासदो ने स्वयं मौजूद रहकर जनता की समस्याओं को अधिकारियों के सामने रखा और एक-एक कर लोगों के मामलों के निस्तारण में सहयोग किया। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों के दस्तावेजों की जांच कराई गई और आवश्यक कागजात के बारे में उन्हें विस्तार से जानकारी दी गई, जिससे लोगों को राहत महसूस हुई।

इस दौरान हरख ब्लॉक में तैनात महिला अधिकारी की भूमिका भी बेहद सराहनीय रही।

उन्होंने पूरी संवेदनशीलता और धैर्य के साथ परेशान जनता की बात सुनी और उन्हें सरल भाषा में पूरी प्रक्रिया समझाई।

आवश्यक दस्तावेज लेकर उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि सही कागजात उपलब्ध कराने पर किसी प्रकार की समस्या नहीं आएगी। महिला अधिकारी के सहयोगात्मक रवैये से लोगों में विश्वास और संतोष देखने को मिला।

सभासदों के द्वारा ब्लॉक परिसर में जनता के लिए जलपान की भी व्यवस्था कराई गई, नगर पंचायत जैदपुर के बहुचर्चित सभासद ताहिर अंसारी ने ,

जैदपुर के सभी सम्मानित नागरिकों को सुचित करते हुये बताया कि

एस आई आर की जिनको नोटिस मिली है

वे लोग अपना फार्म , नोटिस व परिवार रजिस्टर की नकल (महिला अपने मायके की परिवार रजिस्टर की नकल लेले)

जाति प्रमाण पत्र

निवास प्रमाण पत्र आदि

इकट्ठा कर लें

न्यूरिया पुलिस ने चोरी का पदार्फाश कर दो शातिर चोरों को दबोचा

चांदी की पायल व सोने का मंगलसूत्र बरामद

(जीएनएस)।

पीलीभीत, पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना न्यूरिया पुलिस ने चोरी की एक घटना का सफल अनावरण कर दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। क्षेत्राधिकार सदर के नेतृत्व में विशेष अभियान के तहत मुकदमा संख्या 26/2026 धारा 305 बीएनएस (अब 317(2) बीएनएस जोड़ी गई) के नामजद अनिल कश्यप (पुत्र नत्थू लाल, मोहल्ला छोटा खुदागंज, थाना कोतवाली) और गोविंद (पुत्र पूरनलाल, मोहल्ला आवास विकास, थाना कोतवाली) को नकटादाना

चौराहे से मय माल गिरफ्तार किया गया।अभियुक्तों के कब्जे से करीब 200 ग्राम चांदी की एक जोड़ी पायल और एक सोने का मंगलसूत्र बरामद हुआ। पूछताछ में उन्होंने कबूला कि वादी कोमिल प्रसाद के घर में उनकी मां को कम दिखाई देता है, इसलिए चाय बनाते समय मौका पाकर आभूषण चुराए थे। घटना 30 जनवरी को मोहल्ला ठेरा खब्बापुर में हुई थी।गिरफ्तार टीम:निरीक्षक देवेंद्र सिंह राणाहेड कांस्टेबल अशोक कुमारकांस्टेबल कपिल कुमारअभियुक्तों को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। पुलिस अपराधियों पर लगाम कसने के लिए सतत सक्रिय है।

वृक्ष रोपण से ज्यादा उसका संरक्षण श्रेयस्कर-सन्त राम बाहुबली दास

(जीएनएस)। प्रयागराज

सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कालेज, सर्वोदय नगर में आज सन्त रविदास जयन्ती मनायी गयी। इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्ष संरक्षण का सम्पूर्ण भारत में साइकिल से 1 लाख किलोमीटर की यात्रा कर विद्यालयों में जाकर प्रेरित करने वाले सन्त राम बाहुबली दास जी ने अपने सम्बोधन में भैया-बहनों को पर्यावरण के प्रति भविष्य के खतरे से आगाह करते हूये कहा कि वृक्ष लगाने की जितनी हमारी जिम्मेदारी है, उससे कहीं ज्यादा उसके संरक्षण में हमारी महती भूमिका होनी चाहिये।

विद्यालय परिसर में रुद्राक्ष का पौधा रोपित करते हुये भैया बहनों से कहा कि अपने स्वस्थ और समृद्ध स्वास्थ्य एवं सशक्त राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका को सिद्ध करना चाहिये। हमें विवेकानन्द की शिक्षा को आत्मसात कर स्वयं को विवेकानन्द बनना चाहिये। वृक्ष, नदी , सागर सभी हमारे प्रत्यक्ष देव हैं, इनका संरक्षण एवं संवर्धन हमारी पहली जिम्मेदारी है। पूज्य सन्त का विद्यालय में वन्दना में हार्दिक अभिनन्दन किया गया। विद्यालय के विद्वत परिषद के संयोजक सतीश कुमार गुप्त ने महानुभाव का परिचय कराते हुये वृक्ष और सन्त के परमार्थ जीवन की चर्चा करते हुये मानव जीवन में वृक्ष का मानव जीवन में विशिष्ट आवश्यकता पर विचार व्यक्त किये विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेश चन्द्र तिवारी ने सन्त राम बाहुबली दास का अंगवस्त्रम, पुष्प माला ,साहित्य एवं श्रीफल भेंट कर अभिनन्दन किया, और कहा कि सन्त की जयन्ती पर सन्त का आगमन और श्रेष्ठ जनकल्याण हेतु समर्पित योगी महापुरुष का शुभाशीर्वचन कल्याण कारी होगा।भैया-बहनों ने पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धित पोस्टर एवं चित्र के साथ पौधारोपण के कार्यक्रम को और सुन्दर बना दिया। इस कार्यक्रम में समस्त आचार्य एवं आचार्य भगिनी की उपस्थिति गौरवपूर्ण रही। कार्यक्रम का संचालन प्रबन्ध आचार्य विजय मिश्र जी ने किया।इस कार्यक्रम में विद्यालय के सभी भैया बहिन एवं आचार्य बंधु भगिनी उपस्थित रहे

घरेलू झगड़ों से परेशान महिला ने की आत्महत्या, फंदे से लटका मिला शव

(जीएनएस)।

पीलीभीत,गजरौला-थाना क्षेत्र में घरेलू कलह के चलते एक महिला ने आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह 48 वर्षीय महिला ज्ञानवती ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद परिवार और गांव में शोक का माहौल है।

घटना गजरौला थाना क्षेत्र के ग्राम भूड़ा सरेंदा में शनिवार सुबह करीब 11:30 बजे हुई। मृतका की पहचान जोगराज की पत्नी ज्ञानवती (48) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ज्ञानवती पिछले कुछ समय से पारिवारिक तनाव से जूझ रही थीं।

शनिवार सुबह घर में हुए विवाद के बाद उन्होंने आवेश में आकर कमरे के भीतर फांसी लगा ली। परिजनों को जब तक इस बात का पता चला, तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही गजरौला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को फंदे से उतारकर अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए जिला मुख्यालय स्थित मॉच्युर्री भेज दिया है।

थाना अध्यक्ष राजवीर सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। प्राथमिक जांच में यह मामला घरेलू कलह से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल मौके पर शांति व्यवस्था बनी हुई है।

पुलिस प्रशासन ने बताया कि इस मामले में अभी तक मृतका के मायके पक्ष या परिजनों की ओर से कोई लिखित तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि परिजनों से शिकायत या तहरीर मिलने के बाद आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। गांव में स्थिति नियंत्रण में है। पुलिस मामले के हर पहलू की बारीकी से जांच कर रही है।

भाकियू भानु को मिली नई मजबूती, हरिओम यादव बने तिलसन्डा गांव के ग्राम अध्यक्ष

बीसलपुर तहसील क्षेत्र में भारतीय किसान यूनियन (भानु) का संगठन विस्तार लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है। तहसील अध्यक्ष महेन्द्र पाल गंगवार (पूर्व सैनिक), तहसील मीडिया प्रभारी दीनदयाल शास्त्री और तहसील संगठन मंत्री मनोज दीक्षित एवं बिलसंडा ब्लॉक अध्यक्ष राकेश प्रताप यादव द्वारा क्षेत्र में निरंतर भ्रमण कार्यक्रम चलाकर किसानों को संगठन से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।इसी क्रम में तिलसन्डा गांव निवासी हरिओम यादव को भाकियू भानु का ग्राम अध्यक्ष मनोनीत किया गया। पदाधिकारियों द्वारा उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपकर संगठन के उत्थान एवं किसान हितों की रक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई।नए ग्राम अध्यक्ष के मनोनयन से संगठन में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है और ग्रामीण स्तर पर किसानों में सकारात्मक माहौल बना है।भाकियू भानु के जिला अध्यक्ष भजन लाल क्रोधी ने सभी पदाधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए हरिओम यादव को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का आ'ान किया।